Economic Times Hindi Edition Delhi
28.11.2016 Page 1
Height 10.44cm Width 14.19 cm

आधार नंबर, फिंगर प्रिंट से होगा पेमेंट !

UIDAI के CEO कहा, इस व्यवस्था पर तेजी से चल रहा है काम

[ईटी ब्यूरो | नई दिल्ली]

कैशलेस सोसायटी का लक्ष्य लेकर चल रही केंद्र सरकार बाजारों और छोटे दुकानदारों के बीच इलेक्ट्रॉनिक भुगतान बढ़ाने के लिए जीतोड़ कोशिश कर रही है। इसके लिए कई स्तरों पर व्यापारियों को जागरूक करने और साथ लेने की योजना बनाई गई है। शीर्ष अधिकारियों की मानें तो दुकानों पर डिजिटल पेमेंट के लिए तरह-तरह के डिवाइसेज के दिन भी जल्द लद जाएंगे और सिर्फ आधार नंबर और फिंगर प्रिंट की मदद से हर तरह के वित्तीय भुगतान हो सकेंगे।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से को आयोजित एक कार्यक्रम में वित्तीय मामलों से जुड़े केंद्र सरकार के कई विभागों के शीर्ष अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी। यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के सीईओ अजय भूषण पांडेय ने कहा, 'बहुत जल्द अब आपको किसी भी तरह का भुगतान लेने या देने के लिए सिर्फ आधार नंबर और फिंगर प्रिंट की जरूरत होगी। क्रेडिट और डेबिट कार्ड तो छोड़िए भारी-भरकम और खर्चीले डिवाइसेज की जरूरत भी नहीं होगी। इस पर तेजी से काम चल रहा है।' उन्होंने बताया कि फिलहाल ई-वॉलेट, यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस, मोबाइल आधारित पॉइंट ऑफ सेल्स का चलन बढ़ रहा है।

कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि वित्त मंत्रालय की पहल पर संगठन ने बीते चार महीनों में देशभर में करीब 20 लाख व्यापारियों को डिजिटल पेमेंट की सहूलियतों से अवगत कराया है। संगठन इस बारे में 2 दिसंबर को देशभर के व्यापारियों का एक बड़ा सम्मेलन कर रहा है, जिसमें इन योजनाओं को अमली जामा पहनाने की दिशा में कई घोषणाएं हो सकती हैं। एक अनुमान के मुताबिक दिल्ली के पॉश खुदरा बाजारों, रिटेल चेन स्टोर्स, मॉल और डिपार्टमेंटल स्टोर्स में भी 12-15 पर्सेंट भुगतान ही इलेक्ट्रॉनिक मोड में होते हैं।

कैशलेस पर फोकस

UIDAI के सीईओ अजय भूषण पांडेय के मुताबिक पेमेंट्स के लिए क्रेडिट और डेबिट कार्ड तो छोड़िए भारी-भरकम और खर्चीले डिवाइसेज की जरूरत भी नहीं होगी

एक अनुमान के मुताबिक दिल्ली के पॉश खुदरा बाज़ारों, रिटेल चेन स्टोर्स, मॉल और डिपार्टमेंटल स्टोर्स में भी 12-15 पर्सेंट भुगतान ही इलेक्ट्रॉनिक मोड में होते हैं